INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	Department: Hindi	Date of submission:
Lesson– 4 हम पंछी उन्मुक्त गगन के	Topic -Question Bank with Grammar	Pl File in portfolio…

अति लघु प्रश्न

प्रश्न-1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के पाठ के रचयिता कौन हैं?

उत्तर- हम पंछी उन्मुक्त गगन के पाठ के रचयिता शिव मंगल सिंह 'सुमन' हैं।

प्रश्न-2 पंछी अपना मधुर गीत कब नहीं गा पाएँगे?

उत्तर- पंछी अपना मधुर गीत पिंजरे में बंद होकर नहीं गा पाएँगे।

प्रश्न-3 पंछी कहाँ का जल पीना पसंद करते हैं?

उत्तर - पंछी नदी और झरनों का बहता जल पीना पसंद करते हैं।

प्रश्न-4 पंछियों के लिए पिंजरे में रखे मैदा से बेहतर क्या है?

उत्तर - पंछियों के लिए पिंजरे में रखे मैदा से बेहतर निबौरी अर्थात नीम का फल है।

प्रश्न-5 पक्षी कैसा जल पीना चाहते हैं?

उत्तर : पक्षी नदियों और झरनों का बहता जल पीना चाहते है|

प्रश्न-6 पंछी क्या खाते पीते हैं?

उत्तर - पंछी बहता हुआ जल पीते हैं और पेड़ पर लगे हुए फल खाते हैं।

लघु प्रश्न

प्रश्न-1 पिंजरे में पंख फ़ैलाने पर पंछियों की क्या दशा होगी?

उत्तर : पिंजरे में पंख फ़ैलाने पर पंछियों के पंख पिंजरे की सलाखों से टकराकर टूट जाएँगे।

प्रश्न-2 पक्षी कैसा जीवन जीना चाहते हैं?

उत्तर : पक्षी स्वतंत्र जीवन जीना चाहते हैं| अपनी इच्छा के अनुसार खुले आसमान में उड़ना चाहते हैं, पेड़ों पर बैठकर गाना चाहते हैं।

प्रश्न-3 पक्षी पेड़ों पर क्या करना चाहते हैं?

उत्तर : पक्षी पेड़ों की फुनगी पर बैठकर झूलना चाहते हैं, गाना चाहते हैं और जीवन के सपने देखना चाहते हैं|

प्रश्न-4 पिंजरे में पंछी क्या-क्या नहीं कर सकते हैं?

उत्तर : पिंजरे में पंछी पंख नहीं फैला सकते,ऊँची उड़ान नहीं भर सकते, बहता जल नहीं पी सकते और पेड़ों पर लगे हुए फल नहीं खा सकते हैं|

दीर्घ प्रश्न

प्रश्न-1 पंछियों के सपने और अरमान क्या हैं?

उत्तर : पंछियों के सपने पेड़ों की डालियों पर बैठकर झूला झूलने और आकाश की सीमा तक उड़ने के अरमान हैं। वे लाल–लाल तारे जैसे अनार के दाने चुगने के भी अरमान रखते हैं ।

प्रश्न-2 इस कविता के माध्यम से पंछी क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर : इस कविता के माध्यम से पंछी यह संदेश देना चाहते हैं कि स्वतंत्रता सब को प्रिय होती है और स्वतंत्र रह कर ही हम अपने सभी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं।

प्रश्न-3 हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

उत्तर : हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद इसलिए नहीं रहना चाहते क्योंकि उन्हें स्वतंत्रता पसंद हैं, वह बंधन में नहीं रहना चाहते। वह खुल कर आकाश में उड़ना चाहते हैं।

व्याकरण भाग-

प्रश्न 1- दिए गए शब्दों के पर्यायवाची लिखिए :

1. गगन- नभ - आकाश - आसमान
2. जल- पानी - नीर - वारि
3. खग- पक्षी - विहग - नभचर
4. स्वर्ण- सोना - कनक - कंचन
5. अनाज- अन्न - शस्य - धान
6. आनंद- प्रसन्नता - ख़ुशी - हर्ष

प्रश्न 2- दिए गए शब्दों के विलोम लिखिए :

अंधकार	x	प्रकाश
अनाथ	x	सनाथ
ऊँचा	x	नीचा
कठोर	x	मृदु
नीरस	x	सरस
गंदगी	x	सफ़ाई
तीव्र	x	मंद
चेतन	x	अचेतन

प्रश्न-3 दिए गए शब्दों के दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखिए|

लाल - बेटा , लाल रंग

फल - परिणाम , खाने वाला फल

पर - पंख , परंतु

तप - तपस्या/साधना , गरमी

अमृत - दूध , जल

वंश - कुल , बाँस

प्रश्न-3 संवाद लेखन -

पाठ

दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच हुई बातचीत को उसी रूप में प्रस्तुत करना 'संवाद-लेखन' कहलाता है।

अच्छे संवाद-लेखन की विशेषताएँ–

1. संवादों में सरल व सहज भाषा का प्रयोग करना चाहिए। अमर्यादित शब्दों (अबे, ओय आदि) का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
2. संवाद ज़रूरत से ज़्यादा लंबे नहीं होने चाहिए।
3. विषय के अनुसार संवादों में भाव होने चाहिए।
4. पात्र के हाव-भाव कोष्ठक में लिखे जाने चाहिए। जैसे– (गुस्से में भरकर), (हँसते हुए) आदि।
5. संवाद दी गई शब्द-सीमा में लिखे जाने चाहिए।
6. संवाद विषय पर ही आधारित होने चाहिए। विषय से अलग-थलग संवाद अच्छे नहीं माने जाते।

संवाद लेखन के कुछ उदाहरण–

1. स्कूल से आकर अपना सामान इधर-उधर फेंकने वाले बच्चे और माँ के बीच संवाद।

रोहित – माँ-माँ, मैं स्कूल से आ गया। मुझे बहुत भूख लगी है, कुछ खाने को दीजिए ना।

माँ – अरे बेटा! तुमने फिर अपना कपड़े मेज़ पर रख दिए हैं और जूते भी कमरे में ही उतार दिए हैं।

रोहित – (*झुँझलाते हुए*) माँ, मैं खाना देने की बात कह रहा हूँ और आप कपड़े और जूते की बात कर रही हैं।

माँ – बेटा, झुँझला क्यों रहे हो? मेरी बात सुनो, जितनी देर तुमने इन्हें यहाँ फेंकने में लगाई, उतनी ही देर में इन्हें इनकी जगह पर रख सकते थे।

रोहित – (*सहमत होते हुए*) आपने सही कहा माँ, यह बात तो एकदम सही है।

माँ – चलो, अब पहले कुछ खा लो, फिर इन्हें सही जगह रख देना। (*फ़्रिज से दो लड्डू निकालकर देती हैं*)

रोहित – (*लड्डू खाते हुए*) माँ, आपने क्या लड्डू बनाए हैं! सच, मज़ा आ गया! (*कपड़े और जूते सही स्थान पर रखकर*) माँ, मैंने अपना सामान सही जगह पर रख दिया।

माँ – बहुत अच्छा बेटा, मैं तुम्हारे लिए भोजन परोसती हूँ। चलो हाथ धोकर बैठ जाओ।

रोहित – जी माँ...।